
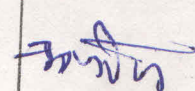
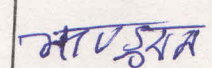


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
14/10/22	यह प्रार्थना पत्र स्थगन प्रार्थी श्री अजीज पुत्र श्री असीम जाति कलाल निवासी जसरापुर तहसील खेतड़ी जिला झुन्डुनू द्वारा स्वयं पेश करने पर बाद जांच प्रस्तुत हुआ। प्रकरण में श्री झण्डुराम पुत्र श्री भगवानाराम गुर्जर द्वारा कैवियट पेश की हुई है। अतः प्रार्थना पत्र स्थगन दर्ज रजिस्टर कर कैवियट कर्ता को रजिस्टर्ड नोटिस जारी हो। पत्रावली वास्ते तलबी कैवियट कर्ता दिनांक 18.10.2022 को पेश हो।  अति. जिला कलेक्टर धुन्डु	 18-10-2022
18/10/22	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी स्व कैवियटकर्ता प्रार्थी स्वयं उपस्थित। विमान राजकीय अधिवक्ता उपस्थित वदस स्थगन प्रार्थना पत्र सुनी गई। प्रार्थी का कथन है कि विवाद ग्राम भूमि खसरा नं. 2522/1042 कुल 2 कवा 4.05 हेक्टर में से 0.15 हे. भूमि पर मैकडो वर्ष पूर्व से पूर्वजों के समय से बनाये गये मकानों में आबाद है प्रार्थी ग्राम पंचायत द्वारा जारी पट्टा शर्त भूमि पर 4 नैके मकान बनाकर आबाद है अतः दौराने अपील अधीनस्थ न्यायलय के निर्णय दिनांक 28/9/22 की पालना स्थगित किमे जाते का निवेदन किमा। दौराने वदस राजकीय अधिवक्ता स्व कैवियटकर्ता का कथन है कि विवादित भूमि राजकीय उच्च मा. वि. जसरापुर की गैर मु. स्कूल की भूमि है। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत पट्टे फर्जी हैं। विवादित भूमि आबादी भूमि नहीं होने के कारण ग्राम पंचायत पट्टा जारी नहीं कर सकती। प्रार्थी / अपीलंत द्वारा	 18-10-2022



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहक हुकम में
---------------	-----------------------------------	-----------------------------

स्कूल को भूमि आवंटन के पश्चात अतिक्रमण किया गया है। अतः स्वयं पार्चना-पत्र सारहीन होने के कारण खारिज किये जाने का विवेकन किया गया।  
 मैंने स्वयं पार्चना पत्र पञ्जावली का अवलोकन किया तथा पार्ची / कैपियटकर्ता की बटम पर मन्त किया। दस्तगत प्रकरण में विवादित भूमि राजकीय उ. भा. वि. जसरापुर को आवंटित भूमि है। जिसपर पार्ची द्वारा अतिक्रमण करने पर अचीनिस्व न्यायतय द्वारा अपीलान्त को वेदवली का आदेश पारित किया गया। दस्तगत प्रकरण में पार्ची द्वारा ऐसी कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की गई। जिससे विवादित भूमि पर उसका प्रथक दृष्टया कोई हक है। भूमि राजकीय गैर मु. स्कूल थी होने से श्रुविद्यासंततयन एवं अपूर्णीय क्षति का बिन्दु श्री पार्ची के पक्ष में प्रतीत नहीं होता है ऐसी स्थिति प्रथम दृष्टया मामला श्रुविद्या संततयन एवं अपूर्णीय क्षति का बिन्दु तीनों पार्ची के विकरु साधित होने से स्वयं पार्चना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। स्वयं पार्चना-पत्र खारिज किया जाना है आदेश सुनाया गया। पञ्जावली श्रागर हो कर हो कर दर्प नम्बर से कम हो तथा कूल अपील के सलग्न हो।

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
 झुन्डू